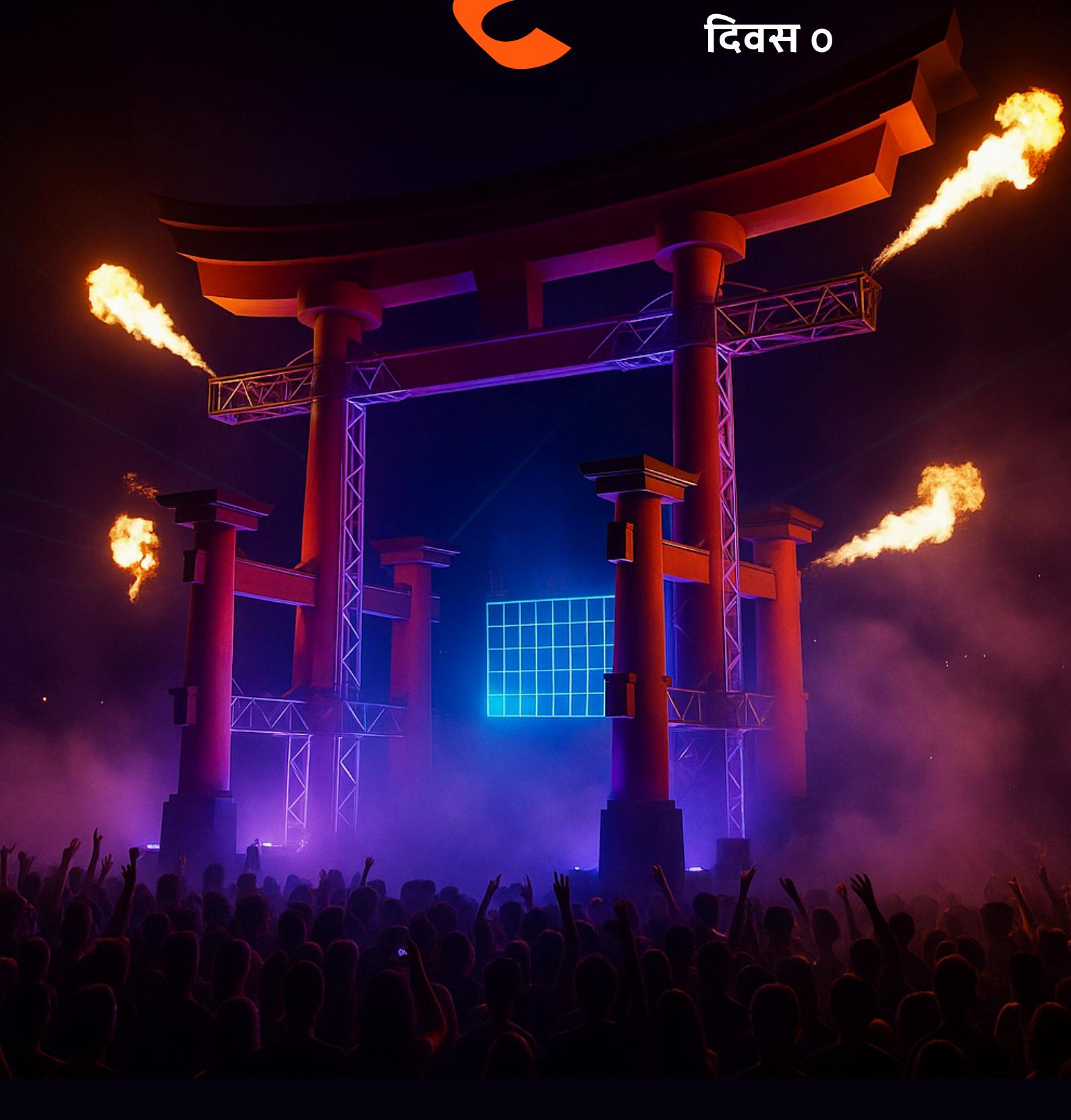


विक्रम संवतः 2082

स्मृति

दिवस ०



सम्पादकीय

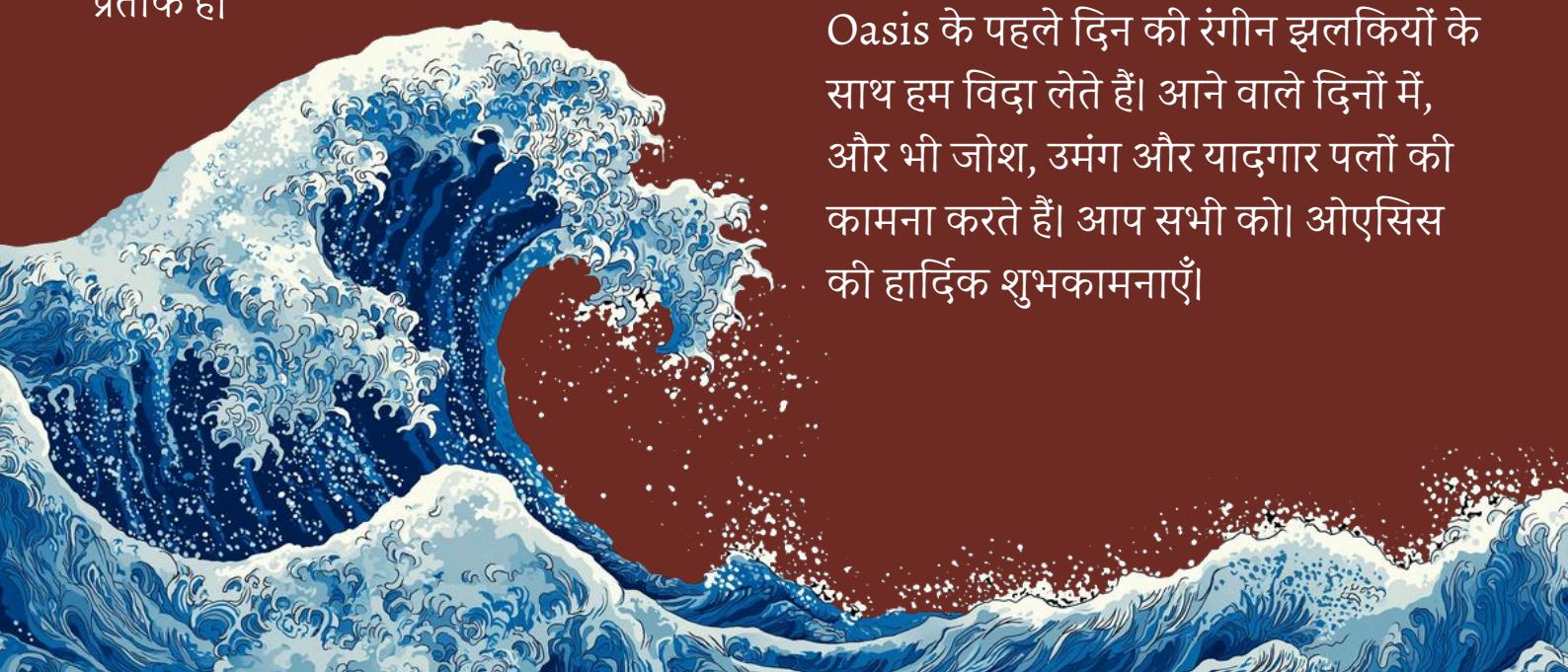
कैंपस में आज का दिन कुछ खास रहा, हर ओर चमक, जोश और उत्साह का माहौल! महीनों की मेहनत, रातों में बनी योजनाएँ और अनगिनत बैठकों का परिणाम आखिरकार सामने था, OASIS'25।

जैसे-जैसे Oasis करीब आता गया, बिट्स की गलियाँ मानो जैसे किसी बड़ी कार्यशाला का रूप ले लिए हो। कहीं नृत्य की ताल पर कदम घिरकर रहे थे, तो कहीं संगीत की धुनें हवा में घुलकर एक नई ऊर्जा पैदा कर रही थी। ड्रामा क्लब की रिहर्सल, लाइटिंग टीम की दौड़भाग, और कोऑर्डिनेशन डिपार्टमेंट्स का उत्साह, सब एक ही संदेश दे रहे थे: “Oasis आ गया है!” सुबह के उद्घाटन समारोह ने पूरे कैंपस को उल्लास से भर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे छात्र-छात्राएँ, सजीव मंच, और चारों ओर उमड़ता जनसमूह सब मिलकर एक अद्भुत दृश्य बना रहे थे।

“Oasis” केवल एक फेस्ट नहीं, यह बिट्स की आत्मा है जहाँ रचनात्मकता, मित्रता और जुनून एक साथ धड़कते हैं। देशभर से आए प्रतिभागियों ने पहले ही दिन अपनी प्रस्तुतियों से यह जता दिया कि आने वाले चार दिन बिट्स का हर कोना कला, संगीत और संस्कृति के रंगों से सराबोर रहेगा। जैसे-जैसे शाम ढली, साउथ पार्क की रोशनी में मंच जीवंत हो उठा। डे 1 की नाइट की प्रस्तुतियों ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया, तालियों की गङ्गड़ाहट देर रात तक आसमान में गूँजती रही।

OASIS 2025 की यह शुरुआत बताती है कि यह फेस्ट केवल कार्यक्रमों का मेल नहीं, बल्कि हर बिट्सियन के सपनों, मेहनत और जुनून का उत्सव है। तो आइए, इस चार दिवसीय सफर का हिस्सा बने, जहाँ हर पल कुछ नया है, हर क्षण यादगार है, और हर मुरक्का “Oasis” का प्रतीक है।

Oasis के पहले दिन की रंगीन झलकियों के साथ हम विदा लेते हैं। आने वाले दिनों में, और भी जोश, उमंग और यादगार पलों की कामना करते हैं। आप सभी को। ओएसिस की हार्दिक शुभकामनाएँ।



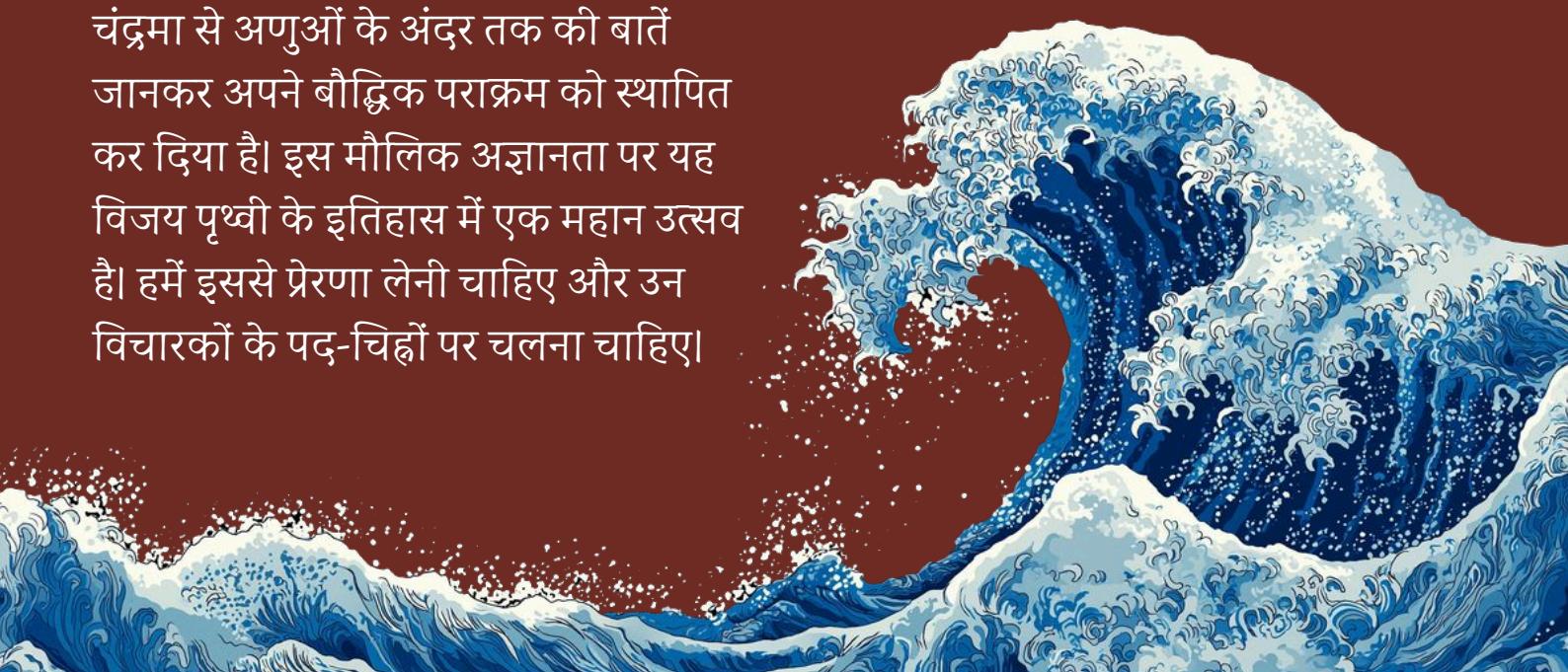
चमत्कारः विश्वास या श्राप ?

आज से लगभग ढाई हजार साल पहले लोग मिर्गी/ epilepsy की बीमारी का कारण देवताओं को समझते थे और कहते थे कि यह बीमारी दैवीय है क्योंकि उस समय पर किसी को नहीं पता था कि ये बीमारी आखिर है क्या, कैसे और क्यों होती है। ग्रीक विद्वान् हिपोक्रेटीज़, आधुनिक चिकित्सा के जनक, ने इस बात का विरोध किया और कहा कि "लोग यह सोचते हैं कि मिर्गी दैवीय बिमारी है, सिफ़ इसलिए क्योंकि उनकी समझ में नहीं आ रहा कि यह बीमारी आखिर है क्या, पर यदि वे इसी कारण से सबको दैवीय कहते रहे तो फिर तो इन दैवीय वस्तुओं का अन्त ही नहीं होगा।"

हिपोक्रेटीज़ कहना यह चाह रहे हैं कि जिसका ज्ञान न हो उसे दैवीय कहना ठीक नहीं, बल्कि अपनी अज्ञानता को स्वीकार करके उसको समझने के लिए प्रयास करना चाहिए, हर चीज़ के पीछे दैवीयता को कारण मानना अपनी अज्ञानता को ढकके खुद को झूठी तसल्ली देना ही है। भारतीय दार्शनिकों की बात करें तो बौद्ध विद्वान् धर्मकीर्ति ने भी ऐसे तथाकथित चमत्कारी घटनाओं को दैवीय मानने के बजाय प्रत्यक्ष पर आधारित कार्य कारण संबंध से समझना चाहिए। मनुष्यों ने यहीं तो किया है। अज्ञानता स्वीकार करके जांच पड़ताल करने के बजाय मनुष्य ने ऐसे दैवीय या पारलौकिक कल्पित कारण गढ़ डाले। आज भी ऐसा ही होता है। इन दैवीय कारणों पर थोपने की मानसिकता का अन्त होने से ही मनुष्य का विकास हो पाना संभव है। जिस बात का अभी वैज्ञानिकों को नहीं पता उस बात को वे लोग अपने देवता विशेष से जोड़ देते हैं।

इतिहास प्रमाण है जब-जब इस मानसिकता को नकारा गया और खोज की गई तब-तब मनुष्य ने उन्नति की है। जगत को प्राकृतिक नियमों तथा कार्य-कारण से बद्ध मानकर मानवीय सभ्यता ने

चंद्रमा से अणुओं के अंदर तक की बातें
जानकर अपने बौद्धिक पराक्रम को स्थापित
कर दिया है। इस मौलिक अज्ञानता पर यह
विजय पृथ्वी के इतिहास में एक महान उत्सव
है। हमें इससे प्रेरणा लेनी चाहिए और उन
विचारकों के पद-चिह्नों पर चलना चाहिए।





DAY - 001

A
SUN
A
MORN



After Party.

After Party.

HOST CO. AUGUST 2025

Oasis 2025

ナイト

ナイト

ナイト

ナイト



Presents



WHISPERS OF EDO
53rd EDITION | 7th-11th NOVEMBER

IN ASSOCIATION WITH

acer

SNAPCHAT

CARICATURE CORNER

8 & 9
November

KG
Parking

Satyam - 7008296824

ROTUNDA RAVE



B(S)T से भरा दिन

BITS पिलानी के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक महोत्सव OASIS 2025 का शुभारंभ अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में इलम निरदेशक अनुभव सिन्हा और ग्राम्य विजेता पी. ए. दीपक मुख्यातिथि रहे जिनके शब्दों ने छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य आकर्षणों में से एक था, Main Audi के बाहर उमड़ी अभूतपूर्व भीड़, Audi Force के सदस्यों को कई बार दर्शकों को रोकना पड़ा क्योंकि Audi पूरी तरह भर चुका था। यह दृश्य इस महोत्सव की लोकप्रियता और छात्रों के उत्साह का प्रमाण था। उद्घाटन दिवस पर Mime क्लब ने अपनी पहली अद्भुत प्रस्तुति “BITS पिलानी की मौत किसने की?”, दूसरी प्रस्तुति एक मुशायेरे के रूप में देखने मो मिली जिसने सब दर्शकों का दिल जीत लिया। बिना किसी शब्द के, उनके अभिनय ने छात्र जीवन की संघर्ष, दोस्ती और उम्मीदों की भावनाओं को सजीव कर दिया। यह प्रदर्शन Oasis की आत्मा अभिव्यक्ति, एकता और संवेदना का प्रतीक रहा। उद्घाटन के अवसर पर “Suno” ऐप के प्रतिनिधि ने मंच पर आकर इसके उपयोग बताये पर हास्यप्रद बात ये रही छात्र इसमें दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे।

ADP विभाग द्वारा लगाए गए पोस्टरों ने उद्घाटन स्थल को रंगीन बना दिया। नारूतो, ऐश और पिकाचू, तथा शेरलॉक होम्स और डॉक्टर वॉट्सन जैसे चरित्रों के माध्यम से मानवीय भावनाओं की गहराई को प्रदर्शित किया गया।

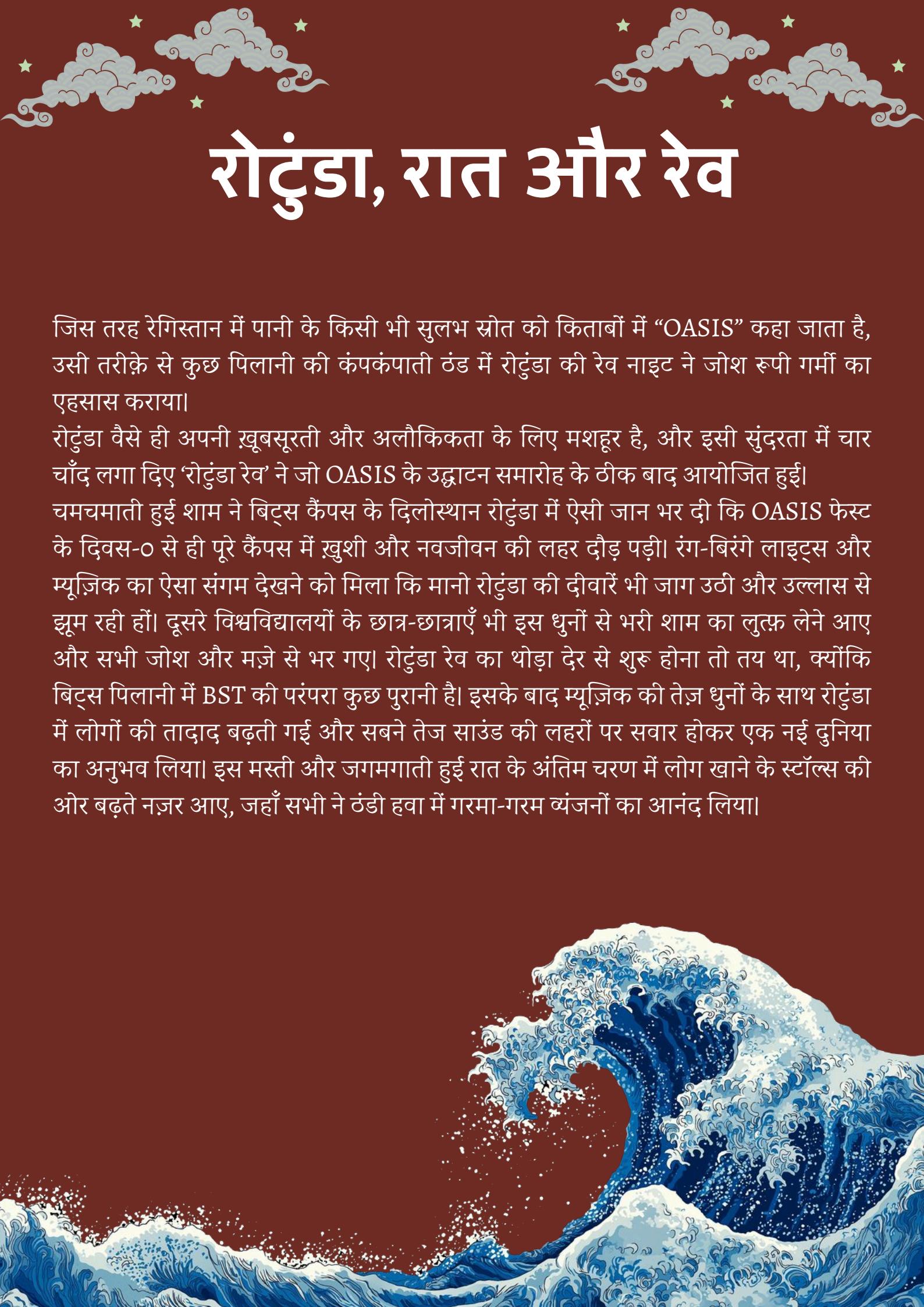


B(S)T से भरा दिन

हर पीस्टर एक कहानी कहता प्रतीत हुआ, और दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर गया। उद्घाटन के दौरान APOGEE 2026 की थीम “Under Steel Skies” का अनावरण किया गया। यह थीम छात्रों के नवाचार, तकनीकी उत्कृष्टता और भविष्य के प्रति उनकी असीम आकांक्षाओं का प्रतीक है।

इस समारोह में कई विभागों के StuCCAns और प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिनका परिचय SUMT ने अपने short video में दिया, जिनमें DVM से राहुल गुप्ता, ADP से प्रणव देशपांडे, PCR से ईशिता अग्रवाल, कंट्रोल्स से आयुष्मान कुमार, RecNAcc से अर्शिता मित्तल, स्पॉन्सरशिप और मार्केटिंग से ध्रुव मणियार, तथा SU अध्यक्ष तथा StuCCAn of Finance सजल यादव। StuCCAns का स्वागत fest में बड़े हास्यजनक तरीके किए गया। सभी ने अपनी-अपनी भूमिकाओं से इस उद्घाटन को यादगार बनाने में योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन डांस क्लब(DC) की ऊर्जा भरपूर प्रस्तुतियों के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। OASIS 2025 का यह शुभारंभ केवल एक समारोह नहीं, बल्कि BITS की रचनात्मकता, एकता और ज़ज्बे का प्रतीक बन गया एक नई यात्रा की शुरुआत, स्टील जैसे आसमानों के नीचे।





रोटुंडा, रात और रेव

जिस तरह रेगिस्तान में पानी के किसी भी सुलभ स्रोत को किताबों में “OASIS” कहा जाता है, उसी तरीके से कुछ पिलानी की कंपकंपाती ठंड में रोटुंडा की रेव नाइट ने जोश रूपी गर्मी का एहसास कराया।

रोटुंडा वैसे ही अपनी खूबसूरती और अलौकिकता के लिए मशहूर है, और इसी सुंदरता में चार चाँद लगा दिए ‘रोटुंडा रेव’ ने जो OASIS के उद्घाटन समारोह के ठीक बाद आयोजित हुई। चमचमाती हुई शाम ने बिट्स कैंपस के दिलोस्थान रोटुंडा में ऐसी जान भर दी कि OASIS फेस्ट के दिवस-० से ही पूरे कैंपस में खुशी और नवजीवन की लहर दौड़ पड़ी। रंग-बिरंगे लाइट्स और म्यूजिक का ऐसा संगम देखने को मिला कि मानो रोटुंडा की दीवारें भी जाग उठी और उल्लास से झूम रही हों। दूसरे विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएँ भी इस धुनों से भरी शाम का लुत्फ लेने आए और सभी जोश और मज़े से भर गए। रोटुंडा रेव का थोड़ा देर से शुरू होना तो तय था, क्योंकि बिट्स पिलानी में BST की परंपरा कुछ पुरानी है। इसके बाद म्यूजिक की तेज़ धुनों के साथ रोटुंडा में लोगों की तादाद बढ़ती गई और सबने तेज़ साउंड की लहरों पर सवार होकर एक नई दुनिया का अनुभव लिया। इस मस्ती और जगमगाती हुई रात के अंतिम चरण में लोग खाने के स्टॉल्स की ओर बढ़ते नज़र आए, जहाँ सभी ने ठंडी हवा में गरमा-गरम व्यंजनों का आनंद लिया।

Coca-Cola
SNAPCHAT



plum | Body Lovin'

EaseMyTrip

Bharat ka Travel App

Qoneqt

plum
— we have chemistry —

SUNO

PEE
SAFE

Better For You

MK™
MAA KARNI INFRATECH

HDF BANK



abhibus



NUTRIBS
NUTRITION | BEAUTY | SUPPLEMENT

सर्वाक्ष

दिव्यम, हर्ष, मोक्ष, कृष, प्रिशा, विशेष, अभिन्नआशीष, राहुल, नमः, कविश,
कौस्तुभ, प्रीतवर्धन, एकांश, अनुष्का, दिवाकर, ऋषव

सत्यम, श्रीनिधी, वंशिका, प्रज्ञाँ, जयंत, अभय, वंश, गोविंद, अर्हम, मृदुल

अनिमेष, अदित, वेदांश, हर्ष, आदित्य, भव्य, नीनाद, पार्थो, राम, रौनक,
रिशित, सोहन, अदिती, कार्तिक

यशस्कर्म, अरुणिमा, अगस्त्य, अभिश्री, अभिषेक, तनवीर



Join Hindi Press Clubs's
खबरनामा
for quick LIVE updates :)